Maneckji Cooper Education Trust School
Juhu Mumbai 400049
Preliminary Examination

STD : X[th] Date : 09/01/2019
Sub : HINDI Time : 3 Hours Marks : 80

(15 minutes reading time and writing time 3hrs)

SECTION A (40 Marks)
Attempt all questions

Question 1

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics :-
निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :- (१५)

१. आज का विद्यार्थी कल का नेता - विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अपने किसी प्रिय नेता के बारे में लिखो।
२. आरक्षण के नाम पर आजकल देश में जगह-जगह आन्दोलन हो रहे हैं। आज के सन्दर्भ में इसके औचित्य पर अपने विचार व्यक्त करो।
३. भ्रष्टाचार के क्या कारण है। इसे दूर करने में डिजिटल(digital) प्रक्रिया किस प्रकार महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।
४. 'परिश्रम सफलता का सोपान हैं' - इस पंक्ति से आरम्भ करते हुए एक मौलिक कहानी लिखिए।
५. नीचे दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए ।

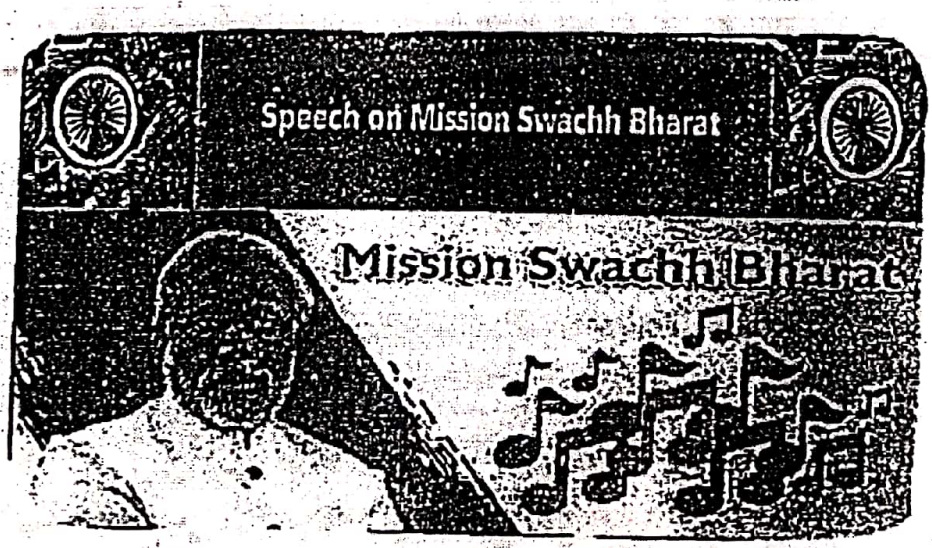

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050

Scanned by CamScanner

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

Question 2

Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of the topics given below :-

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :- (७)

१. अपने नगर की नगरपालिका के स्वास्थ्य-अधिकारी को एक आवेदन-पत्र लिखिए जिसमें अपने मुहल्ले की स्वच्छता के संबंध में ध्यान आकर्षित किया गया हो।

OR

२. अपने छोटे भाई को एक पत्र लिखिए कि वह खेलों में भी रुचि ले। साथ में उसको खेलों का महत्त्व और आवश्यकता भी विस्तार से बताइए।

Question 3

Read the following passage carefully and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible :-

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :-

वरदराज नाम का एक बालक था। वह मंदबुद्धि था। जब वह पाँच वर्ष का हो गया तो उसके पिता ने उसे पढ़ने के लिए गुरु के पास भेजा। वहाँ अन्य बालक भी अध्ययन करते थे। वरदराज उनके साथ पढ़ने लगा। गुरु जी जो पाठ पढ़ाते थे, वह उसे बहुत देर में कंठस्थ होता था। वह पढ़ाई में पिछड़ने लगा। उसके सहपाठी उसका मज़ाक़ उड़ाते थे। उसे आश्रम में शिक्षा ग्रहण करते हुए पाँच वर्ष बीत गए। जब कोई उन्नति नहीं हुई तो गुरु जी भी निराश हो गए।

एक दिन वे वरदराज से बोले, "बेटा, मुझे लगता है कि विद्या तुम्हारे भाग्य में नहीं है। यहाँ रहकर समय नष्ट करने से अच्छा होगा कि तुम घर लौट जाओ। वहाँ जाकर घर का काम-काज सँभालो।"

यह सुनकर वरदराज के मन को ठेस लगी। उसने सोचा कि मेरे पिता विद्वान हैं। समाज में उनकी प्रतिष्ठा है। यदि लोगों को पता लगेगा कि विद्वान पिता का पुत्र मंदबुद्धि है इसलिए उसे आश्रम से वापस भेज दिया गया है तो लोग उसके पिता का मज़ाक़ उड़ाएँगे। इससे समाज में उसके पिता की प्रतिष्ठा धूमिल होगी। यह सोचता हुआ दुखी मन से वह चला जा रहा था। उसके क़दम आगे की ओर नहीं बढ़ रहे थे। उसे अपना भविष्य अंधकारमय दिखाई दे रहा था। चलते-चलते दोपहर हो गई। उसे भूख लगी थी। तभी अचानक उसे एक कुआँ दिखाई दिया। वह कुएँ के पास जाकर बैठ गया। उसने वहाँ कुछ खाया और पानी पीने के लिए कुएँ की जगत पर पहुँचा। वहाँ उसने देखा कि जगत पर रस्सी घिसने के निशान पड़े हुए थे। उसने चारों ओर नज़र दौड़ाई। उसे पास में ही एक बालटी तथा रस्सी रखी हुई दिखाई दी। उसके मन में विचार आया कि जब रस्सी पत्थर पर बार-बार घिसने से निशान बना सकती है, तो मैं भी बार-बार अभ्यास करके पाठ याद कर सकता हूँ। कठोर परिश्रम से मैं भी विद्या प्राप्त कर सकता हूँ।

वरदराज ने निश्चय किया कि वह निरंतर अभ्यास करके शिक्षित बनेगा। उसका आत्मविश्वास जाग गया। उसने अपना, हाथ-मुँह धोया और पुनः आश्रम की ओर लौट पड़ा। गुरु जी ने उसे देखते ही पूछा, "बेटा वरदराज तुम घर नहीं गए। वरदराज ने गुरु जी के चरण स्पर्श किए और बोला, "गुरु जी! आज मेरी आँखे खुल गई हैं। अब मैं सफलता पाने का रहस्य जान चुका हूँ। मैं पूरी निष्ठा और लगन से पढ़ाई करूँगा। आपको शिकायत का अवसर नहीं दूँगा।" गुरु जी प्रसन्न हो गए। उन्होंने कहा, "ठीक है यदि तुम अपना संकल्प पूरा करोगे तो मुझे प्रसन्नता होगी।" वरदराज ने पुनः पढ़ना आरंभ कर दिया वह एक पाठ का बार-बार अभ्यास करता था।

Scanned by CamScanner

वरदराज का बदला हुआ रूप देखकर उसके सहपाठी चकित थे। वे उसकी सहायता करने लगे। अब वरदराज मंदबुद्धि छात्र की जगह एक बुद्धिमान छात्र बन गया। यह उसकी लगन, कठोर परिश्रम और दृढ़ संकल्प का परिणाम था।

यही वरदराज आगे चलकर एक प्रसिद्ध विद्वान बना और पाणिनी के व्याकरण को समझने के लिए 'लघु सिद्धांत कौमुदी' की रचना की। उन्होंने संस्कृत व्याकरण 'मुग्धबोध' भी लिखा।

१. वरदराज कैसा बालक था? सहपाठी उसका मज़ाक़ क्यों उड़ाते थे? (२)
२. गुरुजी निराश क्यों हुए? एक दिन वे वरदराज से क्या कहा? (२)
३. वरदराज दुःखी मन से क्या सोचता हुआ चला जा रहा था? (२)
४. वरदराज को शिक्षित बनने की प्रेरणा कहाँ से मिली और उसने क्या किया? (२)
५. वरदराज ने गुरुजी के चरण-स्पर्श करके क्या कहा? कहानी से क्या शिक्षा मिलती है? (२)

Question 4

Answer the following according to the instructions given :-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :-

१. किन्हीं दो शब्दों को शुद्ध करो :- (१)
स्वास्थय, साहित्यक, आर्शिवाद ।
२. निम्न शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :- (१)
आज्ञा, गंगा, रिपु ।
३. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :- (१)
विरोध, सरस, आयात, सुप्त ।
४. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए :- (१)
लाल-पीला होना, दाँत खट्टे करना ।
५. कोयल कूक रही थी। (१)
(वाक्य को सामान्य वर्तमान काल में बदलिए)
६. निम्नलिखित शब्दों के विशेषण लिखिए :- (१)
ओज, गौरव ।
७. कवि बहुत विद्वान है। (१)
(लिंग बदलकर वाक्य दोबारा बनाइये।)
८. मैं अपना काम अपनी इच्छा से करता हूँ । (१)
(रेखांकित के लिए एक शब्द लिखिए)

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

Scanned by CamScanner

SECTION B (40 Marks)

Attempt four questions from this Section.

You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any two other questions.

एकांकी संचय

Question 5

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

"न बेटा, मैं अपने जीते जी यह सब न होने दूँगा। तुम चिन्ता न करो। मैं सब को समझा दूँगा।"

१. वक्ता कौन है? उपर्युक्त पंक्तियों का सन्दर्भ स्पष्ट करो। (२)

२. श्रोता कौन है? वक्ता ने उसे क्या आश्वासन दिया? (२)

३. वक्ता ने सब को क्या समझाया? (३)

४. आज-कल संयुक्त परिवार को बनाए रखना बहुत बड़ी चुनौती है। संयुक्त परिवार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एक संक्षिप्त प्रस्ताव कीजिए। (३)

सूखी डाली - उपेंद्रनाथ 'अश्क'

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

Question 6

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

"महाराणाजी, दरबार के सभासद आप के दर्शन पाने को उत्सुक हैं।"

१. महाराणाजी कौन है? उन्होंने वक्ता के कथन का क्या उत्तर दिया? (२)

२. वक्ता कौन है? उसके बारे में जानकारी दो। (२)

३. अन्त में क्या हुआ? (३)

४. एकांकी से क्या शिक्षा मिलती है? (३)

मातृभूमि का मान - हरिकृष्ण 'प्रेमी'

Question 7

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

"मैंने दुनिया देखी है। ये बाल धूप में सफ़ेद नहीं हुए हैं। कल के छोकरे मुझे बेवकूफ़ बनाना चाहते हैं।"

१. वक्ता कौन है? उपर्युक्त पंक्तियों का सन्दर्भ स्पष्ट करो। (२)

२. वक्ता के बारे में जानकारी दो। (२)

३. अन्त में क्या हुआ? (३)

४. एकांकी से क्या शिक्षा मिलती है? (३)

बहू की विदा - विनोद रस्तोगी

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

Scanned by CamScanner

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

Question 8

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

"तो तू मुझे आदमी नहीं समझती, क्यों?"

१. वक्ता कौन है? उपर्युक्त पंक्ति का सन्दर्भ स्पष्ट करो। (२)

२. वक्ता और श्रोता के बारे में जानकारी दो। (२)

३. वक्ता के किस चित्र से उसे देश-विदेश में अत्याधिक ख्याति मिली? (३)

४. दोनों कलाकारों की कलाओं में आप किसकी कला अधिक उपयोगी और सार्थक मानते हैं और क्यों? (३)

दो कलाकार - मन्नू भंडारी

Question 9

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

"इन्होंने मँगाई थी। कहते थे, इनसे पतंग तानकर काकी को राम के यहाँ से नीचे उतारेंगे।"

१. वक्ता कौन है? वह इस समय कहाँ पर है और क्यों? (२)

२. इन्होंने शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है? उसने क्या मँगाई थी और क्यों? (२)

३. अन्त में क्या हुआ? उससे क्या शिक्षा मिलती है? (३)

४. काकी कहानी किस पर आधारित है? श्यामू के मातृवियोग का वर्णन कहानी के आधार पर कीजिए। (३)

काकी - सियारामशरण गुप्त

Question 10

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

"यह संसार है यार।" मैंने स्वार्थ की फ़िलासफ़ी सुनाई- "चलो पहले बिस्तर पर में गरम हो लो, फिर किसी और की चिंता करना।"

१. यह संसार है यार —— का सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (२)

२. स्वार्थ की फ़िलासफ़ी क्या है? स्वार्थ की फ़िलासफ़ी किसने सुनाई और क्यों? (२)

३. अन्त में क्या हुआ और क्यों? इसके लिए कौन ज़िम्मेदार है? (३)

४. कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए बाल मज़दूरी के शिकार बच्चों की दयनीय दशा का वर्णन करो। (३)

अपना-अपना भाग्य - जैनेंद्र कुमार

Scanned by CamScanner